श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

मकर संक्रांति साधना १४-०१-२०२५

* सफेद कपडे पर अष्टगन्ध से १२ वृत्त उतारे,जो द्वादश आदित्य के प्रतीक है |

* सभी आदित्योका पूजन चन्दन आदि से करे और भोग में फल,खीर (मेवा युक्त) और तिल-गुड के लड्डू का अर्पण करे |

विधान: साधक या साधिकाये स्नान आदि से निवृत होकर सफेद वस्त्र धारण कर पूर्व दिश की ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन करे ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधन प्रारंभ करे | विद्यार्थी १२ माला,गृहस्थ २४ माला और क्रिया योग साधक १०८ माला जप स्फटिक या विद्युत माला से जप करे |

मंत्र: || ॐ ह्रीं ह्रीं घृणिः आदित्याय नमः ||

सामाग्री: स्फटिक या विद्युत माला

जप संख्या: विद्यार्थी १२ माला,गृहस्थ २४ माला और क्रिया योग साधक १०८ माला

अगले दिन कपडे पर जो अष्टगन्ध है, वो अलग रख ले और नित्य उसक तिलक करे ४० दिन तक | ऐसा करने से विद्यार्थीयो का मनोयोग,स्मरण शक्ती और एकाग्रता प्रबल होग,गृहस्थो को इच्छा पूर्ति एवं गृहस्थ सुख प्राप्त होगा और योगीयों कों अत्म-चैतन्यता प्राप्त होगा | अगर योगी चाहते है की उन्हे पूर्ण सिद्धि हो तो वे अगले महिने के संक्रांति तक यह विधी अपनाये |

आदित्याय नमः

****